किंडरगार्टन

Public education
Discover a world of opportunities

राइटिंग और स्पेलिंग: घर पर सीखना

राइटिंग एवं स्पेलिंग सम्बन्धित सुझाव

सुनना

अपनी संतान को सुनने और बात करने के लिए प्रोत्साहित करें। जो बच्चा अच्छे से स्पेल कर सकता है वह अक्सर बातें करने में भी अच्छा होता है।

मिलकर पढ़ें

अपनी संतान के साथ वर्णमाला की किताबें, कहानियों की किताबें और बर्थडे कार्ड पढ़ें। बार-बार मिलकर बाल कविताएँ पढ़ें और इन्हें गुनगुनाएँ। उन शब्दों पर इशारा करें जो तस्वीरों से आसानी से मेल खाते हों जैसे कि *कैट* और *हैट*। जब आप तुकबंदी वाले शब्द बोलें तो उन्हें सुनने के लिए कहकर इन शब्दों की पहचान करने में मदद करें।

लिखना और स्पेल करना ऐसी प्रक्रियाएँ हैं जिन्हें सीखने में समय लगता है। बच्चे अलग-अलग तरीकों और अलग-अलग गति से सीखते हैं।
धैर्य बनाए रखें और उनके प्रयत्नों की हमेशा सराहना करें – बच्चे की छोटी-छोटी उंगलियों से पेंसिल या क्रेयान को नियंत्रित कराना एक बहुत बड़ा कदम है।

मिलकर लिखें

मिलकर शब्द लिखें। जब आप प्रत्येक अक्षर ज़ोर-ज़ोर से बोलें तो अपनी संतान को अक्षरों की खोज करने में उनकी मदद करें।

स्पेलिंग महत्वपूर्ण है

अपनी संतान की चीज़ों पर मिलकर लेबल लगाएँ, उदाहरणत: उनकी किताबों और खिलौनों पर उन्हें अपना नाम लिखने में उनकी मदद करें। इससे यह दिखता है कि स्पेलिंग की महत्ता है।

दर्पण प्रतिबिंब

अपनी संतान को शीशे में देखने दें ताकि वह देख सके कि उसका मुँह कैसे हिलता-डुलता है। यदि वह कुछ ध्वनियों को अलग-अलग नहीं कर पाते हैं तो इससे अक्सर उन्हें मदद मिलती है जैसे कि *f* और *th*.

राइमिंग गेम्स (तुकांत खेल)

अर्थहीन शब्दों का प्रयोग करके शब्दों का खेल खेलें जैसे कि *पप्पी सक्मपी*. राइमिंग गेम्स खेलें जहाँ आप शब्दों को ज़ोर-ज़ोर से बोलें।

Department of
Education

आपको और अधिक जानकारी
education.wa.edu.au
पर होम सूचना-पत्रकों पर मिलेगी।

© Department of Education, Western Australia, 2015
CC BY